

दिनांक 06.09.2019 को मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार की अध्यक्षता में विभागीय मंत्री जी की उपस्थिति में मा0 मुख्य मंत्री सभागार में आहूत विभागीय समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त :-

उपस्थिति:-

1. डा0 धनसिंह रावत, मा0 मंत्री जी, दुग्ध विकास, उत्तराखण्ड सरकार।
2. श्री उत्पल कुमार सिंह, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. श्री प्रकाशचन्द्र निदेशक, डेरी विकास विभाग उत्तराखण्ड।
4. श्री जयदीप अरोड़ा, संयुक्त निदेशक, डेरी विकास विभाग उत्तराखण्ड।
5. श्री बी0एस0 पुण्डीर, उप सचिव, डेरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. श्री अनिल कुमार पुरोहित, अनुभाग अधिकारी, पशुपालन अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. श्री पी0सी0 शर्मा, सामान्य प्रबन्धक (प्रशा0), यू0सी0डी0एफ0, उत्तराखण्ड।
8. श्री आर0एम0 तिवारी, उप सामान्य प्रबन्धक (इन्जी0), यू0सी0डी0एफ0, उत्तराखण्ड।

मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 06.09.2019 को सचिवालय स्थित मा0 मुख्य मंत्री सभागार में डेरी विकास विभाग की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में निदेशक, दुग्ध विकास द्वारा विभागीय प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया गया। मुख्य सचिव महोदय द्वारा विभागीय कार्यों व नवोन्मेषी कार्यों की समीक्षा की गयी। किन्तु सी.एम. डैशबोर्ड "उत्कर्ष" अन्तर्गत के.पी.आई. के लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति न्यून होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सुधार किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा निम्नानुसार निर्देश दिये गये-

- पर्वतीय क्षेत्र की दुग्ध समितियों हेतु साईलेज का ब्लाक, छोटे आकार का बनवाया जाय ताकि लाभार्थी द्वारा इसका दुलान असानी से किया जा सके।
- जनपद चमोली के दूधा तौली एवं जनपद टिहरी के पवांली काठा क्षेत्र में दूध की अपार सम्भावनाओं के दृष्टिगत, सर्वे कराते हुए दूध एकत्रित कराया जाय।
- किसानों को उनकी आवश्यकतानुसार ससमय उच्च गुणवत्ता युक्त आंचल संतुलित पशुआहार उपलब्ध कराया जाय।
- योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि को सीधे लाभार्थियों के खातों में आनलाईन हस्तान्तरित करते हुए लाभान्वित किया जाय।
- विभागीय सक्षम अधिकारी, ग्राम्य/ब्लॉक/जनपद स्तर पर भ्रमण कर दुग्ध उत्पादकों से सम्पर्क करते हुए विभागीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायी जाय।
- दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा उपार्जित दूध का दुग्ध मूल्य भुगतान उचित दरों एवं निर्धारित 21 दिन के लक्ष्य के भीतर प्राथमिकता के दृष्टिगत किया जाय।


- दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना का लाभ समयान्तर्गत दिए जाने के भी निर्देश दिए गए।
- निदेशक, डेरी विकास विभाग को यह निर्देश दिए गये हैं कि केन्द्र पोषित/राज्य सैक्टर की विभिन्न योजना अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि शासन से तत्काल अवमुक्त कराते हुए व्यय करना सुनिश्चित करें।
- सी०एम०डैश बोर्ड "उत्कर्ष" अन्तर्गत के०पी०आई० व प्राथमिक कार्यक्रमों तथा राज्य स्तरीय प्राथमिक कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु निर्देशित किया गया।
- बैठक में यह भी निर्देश दिये गये कि तत्संबंधी कार्यवृत्त तैयार करते हुए मा० विभागीय मंत्री जी के माध्यम से मा० मुख्यमंत्री जी का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

अंत में बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

(आर०मीनाक्षी सुन्दरम)
सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
पशुपालन अनुभाग-2
संख्या-530/XV-2/03(02)/2019
देहरादून दिनांक 04 सितम्बर, 2019
अक्टूबर

- प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-
- 1-निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड सरकार को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
 - 2-निजी सचिव, मा० दुग्ध विकास मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
 - 3-निजी सचिव, सचिव डेरी, उत्तराखण्ड शासन को सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
 - 4-निदेशक, डेरी विकास विभाग उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)।
 - 5-गार्डफाईल।


(वी०एस०पुण्डरी)
उप सचिव।